No. of Printed Pages : 6

**MRDE-003**

# MASTER OF ARTS
# (RURAL DEVELOPMENT)

## Term-End Examination

01362

## December, 2018

## MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL DEVELOPMENT

*Time : 3 hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *Attempt all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*

1. Describe the impact of Colonialism on land tenure systems in India. *20*

**OR**

Explain the various initiatives to change land tenure and agrarian structure after Independence in India. *20*

2. Discuss the impact of tenancy reforms in India. *20*

**OR**

Discuss the land reforms in Bangladesh. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 400 words each :

(a) Highlight the major contributions of land reforms in India. *10*

(b) Explain in brief, the constitutional provisions related to land reforms. *10*

(c) Discuss the importance of management information system in land revenue administration. *10*

4. Write notes on any ***four*** of the following in about 200 words each :

(a) Land Tenure System in Vedic Period *5*

(b) Initiatives for mitigating the exploitation of peasants by revenue intermediaries *5*

(c) Impact of British rule on agrarian structure *5*

(d) Indigo Revolt (1859 – 1860) *5*

(e) Computerization of land records *5*

(f) Land reforms through Panchayats *5*

**5.** Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Dimensions of Land Reforms *4*

(b) Agrarian Structure in Pre-British India *4*

(c) Deccan Peasant Movement *4*

(d) Consolidation of Landholdings *4*

(e) Impact of Land Reforms on Social Structure and Political System *4*

(f) Land Revenue System of the Marathas *4*

(g) Functions of Caste *4*

(h) Accelerated Mahaweli Development Project *4*

**एम.आर.डी.ई.-003**

# एम.ए. (ग्राम विकास)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2018

## एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

***नोट :*** *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर 800 शब्दों (प्रत्येक) से अधिक नहीं होने चाहिए ।*

1. भारत में भू-धृति प्रणाली पर उपनिवेशवाद के प्रभाव का वर्णन कीजिए । *20*

**अथवा**

भारत में स्वतंत्रता के बाद भू-धृति प्रणाली और कृषिक संरचना में परिवर्तन के विभिन्न प्रयासों की व्याख्या कीजिए । *20*

2. भारत में काश्तकारी सुधार के प्रभाव की विवेचना कीजिए । *20*

**अथवा**

बांग्लादेश में भूमि सुधारों की विवेचना कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भारत में भूमि सुधार के प्रमुख योगदानों पर प्रकाश डालिए । *10*

(ख) भूमि सुधार से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) भू-राजस्व प्रशासन में प्रबन्ध सूचना प्रणाली के महत्त्व की विवेचना कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वैदिक काल में भू-धृति प्रणाली *5*

(ख) राजस्व बिचौलियों द्वारा कृषिक शोषण को दूर करने के उपाय *5*

(ग) कृषिक संरचना पर ब्रिटिश शासन का प्रभाव *5*

(घ) नील-विद्रोह (1859 – 1860) *5*

(ङ) भू-अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण *5*

(च) पंचायतों द्वारा भूमि सुधार *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भूमि सुधार के आयाम *4*

(ख) भारत में ब्रिटिश शासन के पूर्व की कृषिक संरचना *4*

(ग) दक्कन किसान आन्दोलन *4*

(घ) भू-जोतों की चकबन्दी *4*

(ङ) सामाजिक संरचना और राजनीतिक प्रणाली पर भूमि सुधारों का प्रभाव *4*

(च) मराठों की भू-राजस्व प्रणाली *4*

(छ) जाति के प्रकार्य *4*

(ज) त्वरित महावेली विकास परियोजना *4*